Maharshi Dayanand University, Rohtak
Ability Enhancement Courses under NEP 2020
w.e.f. 2023-24 session

The student has to study English and one modern Indian language (Hindi/Sanskrit) in first four semesters from the following ability enhancement courses.

Course code	Name of the Multidisciplinary Course	Coordinating Department	Mode
23HNDX01AE01	हिंदीभाषासंवर्धन (सत्र- 1)	Department of Hindi	Online/Offline/Blended
24HNDX03AE01	हिंदीभाषासंवर्धन (सत्र- 3)	Department of Hindi	Online/Offline/Blended
23ENGX01AE01	English-I	Department of English & Foreign Languages	Online/Offline/Blended
24ENGX03AE01	English-II	Department of English & Foreign Languages	Online/Offline/Blended
23SKTX01AE01	Sanskrit and Modern Indian Languages	Department of Sanskrit, Pali and Prakrit	Online/Offline/Blended
24SKTX03AE01	Introduction to Sanskrit Language	Department of Sanskrit, Pali and Prakrit	Online/Offline/Blended

Name of the Program	Common for all Four year UG/Five Year Integrated Programs	Program Code	-----
Name of the Course	हिंदीभाषासंवर्धन (सत्र- 1)	Course Code	23HNDX01AE01
Hours/Week	2	Credits	2
Max. Marks.	50	Time of end term examination	3 Hours

Note: The examiner has to set a total of nine questions (two from each unit and one compulsory question consisting of short answer from all units. The candidate has to attempt one question each from each unit along the compulsory question (5 x 7 = 35 marks)

Course Objectives:

1. विद्यार्थियोंकोहिन्दीभाषाकेमहत्त्वएवंगुणवत्तासेसुविज्ञकरवाकरहिन्दीकीओरउन्मुखकरना।
2. विद्यार्थियोंकोहिन्दी-भाषाकीवैज्ञानिकताकेविषयमेंबतलाकरइसकेगौरवसेसुपरिचितकरवाना।
3. हिन्दीभाषाकेमाध्यमसेनवयुवक-नवयुवतियोंकोराष्ट्रीयताकेपुनीतभावोंकीओरउन्मुखकरना।
4. विद्यार्थियोंकोहिन्दीभाषाकेव्यावहारिकएवंप्रयोजनमूलकपक्षोंकीसबलतासेसम्पृक्तकरना।
5. भाषिकदृष्टिसेसभीविद्यार्थियोंकोएकताकेसूत्रमेंगुम्फितकरकेसमत्वकीओरअग्रसरकरना।
6. अशुद्धहिन्दीकेस्थानपरशुद्धहिन्दीकोप्रचलितकरना।
7. रोज़गारएवंव्यवसायकेक्षेत्रमेंहिन्दीकोप्रतिष्ठितकरना।
8. हिन्दीकीवैश्विकस्तरपरप्रतिष्ठाकरना।

Course Outcomes:

1. उत्तरआधुनिकताकेइसयुगमेंपरिष्कृतआचार, विचारऔरसंस्कारोंकाविकासहोगा।
2. सांस्कृतिकदृष्टिसेआलोकितराष्ट्रकानिर्माणहोगा।
3. शुद्धहिन्दीकेप्रयोगमेंअभिवृद्धिहोगी।
4. राष्ट्रीयताकेउदात्तभावोंकीओरयुवाउन्मुखहोगा।
5. व्यवसायएवंरोज़गारकीउपलब्धतावालेसभीक्षेत्रोंमेंहिन्दीभाषामेंनिष्णातयुवाओंकीप्रतिभागितामेंअभिवृद्धिहोगी।
6. राष्ट्रीयस्तरपरसमन्वयकीप्रस्थापनाकाउज्ज्वलमार्गप्रशस्तहोगा।
7. अन्तरराष्ट्रीयस्तरपरहिन्दी-भाषाकेवर्चस्वकीस्थापनाहोगीऔरहिन्दी-भाषीकोदेशऔरविदेशमेंसमुचितसम्मानमिलेगा।
8. हिन्दीभाषाकेप्रतिश्रद्धा-भावमेंअभिवृद्धिकेमाध्यमसेराष्ट्र-गौरव, राष्ट्रीयसम्पदाकेरक्षणऔरपर्यावरणसंरक्षणकेउदात्त-महनीयभावोंकापल्लवनहोगा।

इकाई– I

लिपिकामानकीकरण,मानकवर्णमाला, देवनागरीअंकमाला, अनुस्वारऔरविसर्ग, अनुनासिक,वर्तनीकीशुद्धताकेलिएध्यानदेनेयोग्यबातें, वर्तनीसंबंधीअशुद्धियोंकेकारण, वर्तनीसंबंधीअशुद्धियोंकोदूरकरनेकेउपाय

राष्ट्रीयचेतनाऔरहिन्दी-विकास:राष्ट्रकीअवधारणा, चेतनाकाअर्थ,परिभाषाऔरस्वरूप; राष्ट्रीयचेतनाकाअर्थ,परिभाषाऔरस्वरूप; राष्ट्रीयचेतनाकामहत्त्व, स्वतंत्रताआंदोलनमेंहिंदीसाहित्यकायोगदान, राष्ट्रीयधाराकेकवियोंकाअध्ययन : भूषण, गुरुगोविन्दसिंह, मैथिलीशरणगुप्त, श्यामनारायणपाण्डेय, हरियाणासाहित्यरत्नप्रोफेसरहरिश्चन्द्रवर्मा

इकाई– II

सृजनात्मकसाहित्यकाअर्थ, परिभाषाऔरस्वरूप; आलोचनात्मकसाहित्यकाअर्थ,परिभाषाऔरस्वरूप; सृजनात्मकसाहित्यकाभाषा-विकासमेंमहत्त्व, निबंधलेखन, कहानीलेखन, काव्यलेखन

समाचारवाचन, विभिन्नखेलकूदप्रतियोगिताओंकीहिंदीकमेंट्री, पटकथालेखन, हिंदीगीतलेखन, संवादलेखन,

मंच-संचालनकला, मंच-संचालककेगुण, मंच-संचालककीभाषा, मंच-संचालनमेंरोज़गारकेअवसर, योगऔरआध्यात्मिकचैनलऔरहिंदीविकास
इकाई– III
अनुवाद :अर्थ, परिभाषाऔरस्वरूप; अनुवादकामहत्त्व, अनुवादककेगुण, अनुवादकेप्रकार:शब्दानुवाद, भावानुवाद, छायानुवाद, व्याख्यानुवाद, सारानुवाद, आशुअनुवाद; अनुवादमेंकंप्यूटरकायोगदान, प्रयोजनमूलकहिंदीऔरअनुवादकीभूमिका, सीरियलोंकाहिंदीअनुवाद, कार्यालयमेंप्रयुक्तशब्दावलीकाहिंदीअनुवाद, बैंकिंगसाहित्यकाअनुवाद, डबिंगक्षेत्रमेंअनुवाद, लिप्यंतरण, हिंदीसाहित्यकाअन्यभाषाओंमेंअनुवाद, अनुवाद : कला, विज्ञानऔरशिल्प, अनुवाद-क्षेत्रमेंरोज़गार
इकाई– IV
पत्रप्रस्तुतीकरणकाअर्थ, पत्रप्रस्तुतीकरणऔरनवीनशोधात्मकवैचारिकता, पत्रप्रस्तुतीकरणऔरशिक्षककीभूमिका, प्रस्तोताकामनोबल, वक्तृत्वकलाकाविकास, शोधात्मकअभिरुचिकाविकास, सामूहिकपरिचर्चाकौशल
प्रेरणास्पदपुस्तकें : 1. डॉ०हरिश्चन्द्रवर्मा, शुद्धलेखनऔरहिन्दीकामानकरूप, विद्याभारती, संस्कृतिशिक्षासंस्थान, कुरुक्षेत्र (हरियाणा) 2. डॉ०हरिश्चन्द्रवर्मा, भाषाऔरभाषाविज्ञान, लक्ष्मीपब्लिशिंगहाऊस, रोहतक 3. सम्पा०कालिकाप्रसाद, राजवल्लभसहाय, मुकुन्दीलालश्रीवास्तव, बृहत्हिन्दीकोश; ज्ञानमण्डललिमिटेड, वाराणसी 4. मुख्यसम्पादक, डॉ०लक्ष्मीनारायणशर्मा, परिशोध, मानव-मूल्यविशेषांक, 1993 5. डॉ०धर्मपालमैनी,भारतीयजीवनमूल्य,भारतीयसंस्कृतिसंस्थान, गुड़गाँव 6. बृहत्प्रशासनशब्दावली, हिन्दी-अंग्रेज़ी, वैज्ञानिकतथातकनीकीशब्दावलीआयोग, नईदिल्ली-110006 7. बृहत्प्रशासनशब्दावली, अंग्रेज़ी-हिन्दी, वैज्ञानिकतथातकनीकीशब्दावलीआयोग, नईदिल्ली-110006 8. बृहत्पारिभाषिकशब्द-संग्रह, मानविकी, खंड-II, वैज्ञानिकतथातकनीकीशब्दावली आयोग, केन्द्रीयहिन्दीनिदेशालयशिक्षातथासमाजकल्याणमंत्रालय, भारतसरकार 9. डॉ०अनन्तचौधरी, नागरीलिपिऔरहिन्दी-वर्तनीबिहारहिन्दीग्रन्थअकादमी, पटना-3 10. डॉ०सुरेशसिंहल, अनुवादसिद्धान्तएवंव्यवहार, अभिनवप्रकाशन, दिल्ली-6 11. डॉ०सुरेशसिंहल, प्रयोजनमूलकअनुवाद, मोनिकाप्रकाशन, दिल्ली -110053 12. डॉ०सुरेशसिंहल, साहित्यिकअनुवादचिंतनकेआयाम, Rising Stars, दिल्ली-53 13. डॉ०पूरनचंदटण्डन, आजीविका-साधकहिन्दी, इन्द्रप्रस्थप्रकाशन, दिल्ली, 1998 14. डॉ०पूरनचंदटण्डन, हिन्दी,प्रयोजनमूलकहिन्दीऔरअनुवाद, किताबघर, नईदिल्ली-110002

Name of the Program	Common for all Four year UG/Five Year Integrated Programs	Program Code	-----
Name of the Course	**हिंदीभाषासंवर्धन (सत्र- 3)**	Course Code	24HNDX03AE02
Hours/Week	2	Credits	2
Max. Marks.	50	Time of end term examination	3 Hours

Note: The examiner has to set a total of nine questions (two from each unit and one compulsory question consisting of short answer from all units. The candidate has to attempt one question each from each unit along the compulsory question (5 x 7 = 35 marks)

Course Objectives:

1. विद्यार्थियोंकोहिन्दीभाषाकेमहत्त्वएवंगुणवत्तासेसुविज्ञकरवाकरहिन्दीकीओरउन्मुखकरना।
2. विद्यार्थियोंकोहिन्दी-भाषाकीवैज्ञानिकताकेविषयमेंबतलाकरइसकेगौरवसेसुपरिचितकरवाना।
3. हिन्दीभाषाकेमाध्यमसेनवयुवक-नवयुवतियोंकोराष्ट्रीयताकेपुनीतभावोंकीओरउन्मुखकरना।
4. विद्यार्थियोंकोहिन्दीभाषाकेव्यावहारिकएवंप्रयोजनमूलकपक्षोंकीसबलतासेसम्पृक्तकरना।
5. भाषिकदृष्टिसेसभीविद्यार्थियोंकोएकताकेसूत्रमेंगुम्फितकरकेसमत्वकीओरअग्रसरकरना।
6. अशुद्धहिन्दीकेस्थानपरशुद्धहिन्दीकोप्रचलितकरना।
7. रोज़गारएवंव्यवसायकेक्षेत्रमेंहिन्दीकोप्रतिष्ठितकरना।
8. हिन्दीकीवैश्विकस्तरपरप्रतिष्ठाकरना।

Course Outcomes:

1. उत्तरआधुनिकताकेइसयुगमेंपरिष्कृतआचार, विचारऔरसंस्कारोंकाविकासहोगा।
2. सांस्कृतिकदृष्टिसेआलोकितराष्ट्रकानिर्माणहोगा।
3. शुद्धहिन्दीकेप्रयोगमेंअभिवृद्धिहोगी।
4. राष्ट्रीयताकेउदात्तभावोंकीओरयुवाउन्मुखहोगा।
5. व्यवसायएवंरोज़गारकीउपलब्धतावालेसभीक्षेत्रोंमेंहिन्दीभाषामेंनिष्णातयुवाओंकीप्रतिभागितामेंअभिवृद्धिहोगी।
6. राष्ट्रीयस्तरपरसमन्वयकीप्रस्थापनाकाउज्ज्वलमार्गप्रशस्तहोगा।
7. अन्तरराष्ट्रीयस्तरपरहिन्दी-भाषाकेवर्चस्वकीस्थापनाहोगीऔरहिन्दी-भाषीकोदेशऔरविदेशमेंसमुचितसम्माननमिलेगा।
8. हिन्दीभाषाकेप्रतिश्रद्धा-भावमेंअभिवृद्धिकेमाध्यमसेराष्ट्र-गौरव, राष्ट्रीयसम्पदाकेरक्षणऔरपर्यावरणसंरक्षणकेउदात्त-महनीयभावोंकापल्लवनहोगा।

इकाई– I

पत्रकारिताकाअर्थ,उद्भवऔरविकास; वर्तमानसमयमेंपत्रकारिताकामहत्त्व, हिंदीपत्रकारितामेंरोज़गारकीसंभावनाएँ, समाचारलेखन, रिपोर्टिंग, प्रेस विज्ञप्ति, समाचार लेखक की भाषा, समाचार लेखक का वैचारिक उत्कर्ष, हिंदीभाषासंवर्धनमें पत्रकारिताकायोगदान

पल्लवनकाअर्थएवंपरिभाषा, पल्लवनकेनियम, पल्लवनकीप्रमुखविशेषताएं, पल्लवनकेलिएउदाहरण : सबदिनहोतनएकसमाना,दैव-दैवआलसीपुकारा, मनकेहारेहारहै, मनकेजीतेजीत, परहितसरिसधरमनहिंभाई, काबरखाजबकृषिसुखाने, जहाँसुमतितहँसंपत्तिनाना,निजभाषाउन्नतिअहै, सबउन्नतिकोमूल

इकाई– II

प्रूफसंशोधनकीपरिभाषा, प्रूफशोधककेआवश्यकगुण,प्रूफकेप्रकार, प्रूफसंशोधनकेमहत्त्वपूर्णचिह्न, प्रूफरीडरकेलिएआवश्यकसावधानियाँ, प्रूफसंशोधनमेंरोज़गार, प्रूफसंशोधनकाहिंदीभाषासंवर्धनमेंमहत्त्व

कंप्यूटरकापरिचय, कंप्यूटरकामहत्त्व, कंप्यूटरकेइनपुटउपकरण : कीबोर्ड, माउस, जॉयस्टिक, ट्रैकबॉल, लाइटपेन, ग्राफिकटेबलेट, टचस्क्रीन, स्केनर;कंप्यूटरकेआउटपुटउपकरण : मॉनिटर,प्रिंटर्स, स्पीकर्स;पत्र-

लेखन: प्रशासनिक, व्यक्तिगत; पत्र-लेखनकीआवश्यकता, पत्र-लेखनकीभाषा
इकाई– III
साक्षात्कारकाअर्थ, परिभाषाएवंस्वरूप; कैरियरमेंसाक्षात्कार-कौशलकामहत्त्व, समालाप्यकीभाषा, मनोबल, स्वभावएवंतार्किकज्ञान; सम्प्रेषण: अर्थ, परिभाषाएवंप्रक्रिया; भाषा-संप्रेषणकेचरण :श्रवण,अभिव्यक्ति,वाचन,लेखन; सम्प्रेषणकोप्रभावीबनानेकेनियम, पारिभाषिकशब्दावलीकाअर्थ, पारिभाषिकशब्दावलीकेविकासकेकारण, प्रशासनिककार्योंमेंपारिभाषिकशब्दावलीकामहत्त्व
इकाई– IV
जीवनकौशलकाअर्थएवंस्वरूप; जीवनकौशलकीविशेषताएँ, जीवनकौशलकीआवश्यकताएवंमहत्त्व, जीवनकौशलकेआधार :स्वावलंबन, सहयोगपूर्णभावना, समस्या-समाधानकीयोग्यता, ज्ञानार्जनकीप्रवृत्ति, कुशाग्रता, चातुर्य, मधुरभाषी, संवेदनशील, स्व-जागरूक, अन्वेषणात्मकदृष्टिकोण, उदात्तसुदृढ़-मनोबल, निश्चयात्मकवृत्ति; जीवनमूल्य : अर्थ, परिभाषा, स्वरुप; जीवनमूल्योंकामहत्त्व, जीवनमूल्यएवंभारतीयसंस्कृति, जीवनमूल्यएवंसाहित्य, जीवनमूल्यएवंचरित्र-निर्माण, जीवनमूल्यएवंयोगसाधना, समरसतावाद
प्रेरणास्पदपुस्तकें : 1. डॉ०हरिश्चन्द्रवर्मा, शुद्धलेखनऔरहिन्दीकामानकरूप, विद्याभारती, संस्कृतिशिक्षासंस्थान, कुरुक्षेत्र (हरियाणा) 2. डॉ०हरिश्चन्द्रवर्मा, भाषाऔरभाषाविज्ञान, लक्ष्मीपब्लिशिंगहाऊस, रोहतक 3. सम्पा०कालिकाप्रसाद, राजवल्लभसहाय, मुकुन्दीलालश्रीवास्तव, बृहत्हिन्दीकोश; ज्ञानमण्डललिमिटेड, वाराणसी 4. मुख्यसम्पादक, डॉ०लक्ष्मीनारायणशर्मा, परिशोध, मानव-मूल्यविशेषांक, 1993 5. डॉ०धर्मपालमैनी, भारतीयजीवनमूल्य, भारतीयसंस्कृतिसंस्थान, गुड़गाँव 6. बृहत्प्रशासनशब्दावली, हिन्दी-अंग्रेज़ी, वैज्ञानिकतथातकनीकीशब्दावलीआयोग, नईदिल्ली-110006 7. बृहत्प्रशासनशब्दावली, अंग्रेज़ी-हिन्दी, वैज्ञानिकतथातकनीकीशब्दावलीआयोग, नईदिल्ली-110006 8. बृहत्पारिभाषिकशब्द-संग्रह, मानविकी,खंड-II, वैज्ञानिकतथातकनीकीशब्दावीआयोग, केन्द्रीयहिन्दीनिदेशालयशिक्षातथासमाजकल्याणमंत्रालय, भारतसरकार 9. डॉ०अनन्तचौधरी, नागरीलिपिऔरहिन्दी-वर्तनीबिहारहिन्दीग्रन्थअकादमी, पटना-3 10. डॉ०सुरेशसिंहल, अनुवादसिद्धान्तएवंव्यवहार, अभिनवप्रकाशन, दिल्ली-6 11. डॉ०सुरेशसिंहल, प्रयोजनमूलकअनुवाद, मोनिकाप्रकाशन, दिल्ली-110053 12. डॉ०सुरेशसिंहल, साहित्यिकअनुवादचिंतनकेआयाम, Rising Stars, दिल्ली-53 13. डॉ०पूरनचंदटण्डन, आजीविका-साधकहिन्दी, इन्द्रप्रस्थप्रकाशन, दिल्ली, 1998 14. डॉ०पूरनचंदटण्डन, हिन्दी, प्रयोजनमूलकहिन्दीऔरअनुवाद, किताबघर, नईदिल्ली-110002

Name of the Program	Common for all Four year UG/Five Year Integrated Programs	**Program Code**	-----
Name of the Course	English-I	**Course Code**	23ENGX01AE01
Hours/Week	2	**Credits**	2
Max. Marks.	50	**Time of end term examination**	3 Hours

Scheme of Examination

Question No 1 Students shall be required to attempt any four Short notes (100-150) words each selecting atleast one from each unit.

Questions 2,3,4,and 5 shall be essay type Questions with internal Choice

Course Objectives:

- To introduce basic concepts of phonetics and train them to transcribe speech sounds using the symbols given in *OALD (Oxford Advanced Learner's Dictionary)*

- To enable students understand basic grammar and vocabulary so that they can use it for their everyday communication.
- To build elementary level Reading skills of the students to enable them to read and speak sentences frequently .

Learning Outcomes:

CSO1. Learners will be able to clarify the distinctive features of English speech sounds, transcribe the words and use the correct pronunciation of commonly used words

CSO2. The learner will be able to comprehend basic conversations revolving around friends, family, vacation, one's occupation, shopping or announcements at public places and understand the main points/themes discussed therein

CSO3. The learners will be able to develop vocabulary of fundamental level and use the basics of grammar for their communication needs at elementary level

Unit – I

Introduction to Phonetics:

- The role of sounds in communication and Phonetic Symbols of English language (as in *Oxford Advanced Learner's Dictionary)*
- Classification and description of speech sounds:
- Distinction between consonants and vowels
- Semivowels and Diphthongs
- Transcription (of commonly used one or two syllable words)

Unit – II

Spotting & Correcting the Errors in the use of:

- Part of Speech – noun, pronoun, article, adverb, adjective, preposition, conjunction and interjection
- Punctuation

Unit – III

Spotting & Correcting the Errors in the use of:

- Subject-Verb agreement
- Active/passive
- Narration

Unit – IV

- Basics of Reading Skills and Reading Strategies: Skimming, Scanning,
- Intensive Reading, Extensive Reading.
- Barriers to Effective Reading and steps to overcome them.

Recommended Books:

1. *English Phonetics for Indian Students by* Balasubramanian, T.
2. *BetterSpokenEnglish* by Chaudhary, Shreesh.
3. *Speak Better Write Better English* by Lewis, Norman.
4. *Oxford Advanced Learner's Dictionary.*
5. *Practical English Usage* by Swan, Michael
6. *A Practical English Grammar* by Thomson, A. J. and A. V. Martinet.

Name of the Program	Common for all Four year UG/Five Year Integrated Programs	**Program Code**	-----
Name of the Course	English-II	**Course Code**	24ENGX03AE01
Hours/Week	2	**Credits**	2
Max. Marks.	50	**Time of end term examination**	3 Hours

Scheme of Examination

Question No 1 Students shall be required to attempt any four Short notes (100-150) words each selecting atleast one from each unit.

Questions 2,3,4,and 5 shall be essay type Questions with internal Choice

Course Objectives:

- Developing pronunciation skills of the students in order to speak correct English in everyday use.

- Building intermediate level speaking skills of the students so that they can clearly express themselves in day to day communication .
- Developing intermediate writing skills with a better understanding of basic grammar and vocabulary so that they could use it for communication in diverse situations and purposes.

Learning Outcomes:

CSO1. Students will be able to transcribe the polysyllabic words, use primary stress and pronounce the commonly used words with proper stress

CSO2. Students will be able to understand extended conversations revolving around friends, family, vacation, one's occupation, shopping or announcements at public places and understand the main points/themes discussed therein

CSO3. Students will be able to develop fairly advanced vocabulary and use the basics of grammar for their communication needs at intermediate level

Unit – I

Syllable and Stress

- Syllable: role of stress , primary stress and secondary stress (marking primary stress on commonly used words)
- Transcription (of commonly used multisyllabic words)
- Intonation – concept and uses of rising tone, falling tone, rising-falling tone, falling-rising tone

Unit – II

Spotting & Correcting the Errors in the use of:

- Clauses: Noun, Adjective, Adverbial and Conditional
- Verbs: Finite/Non-Finite, Infinitive, Gerund, Participles
- Modals
- Tense

Unit – III

- Introduction to Writing Skills and Mechanics of Writing
- Barriers to Effective Writing and Steps to overcome them

Unit – IV

- Paragraph Writing : Descriptive, Argumentative, Expository
- Dialogue Writing , Letter Writing , Email Writing, Blog Writing

Recommended Books:

1. *English Phonetics for Indian Students by* Balasubramanian, T.
2. *BetterSpokenEnglish* by Chaudhary, Shreesh.
3. *Speak Better Write Better English* by Lewis, Norman.
4. *Oxford Advanced Learner's Dictionary.*
5. *Practical English Usage* by Swan, Michael
6. *A Practical English Grammar* by Thomson, A. J. and A. V. Martinet.

Syllabus for Ability Enhancement Course

Name of Program	Common for all four year UG/Five years integrated Programs	**Program Code**	
Name of the course	संस्कृत भाषा तथा आधुनिक भारतीय भाषाएं Sanskrit and Modern Indian Languages	**Course Code**	23SKTX01AE01
Hours/Week	02	**Credits**	02
Max. Marks	50 (35+15)	**Time of end term examination**	03 hours

Note: The examiner has to set a total of nine questions (two from each unit and one compulsory question consisting of short answer from all units. First question will be compulsory consisting of short answer type 07 questions of 01 mark each. The candidate has to attempt one question from each unit alongwith the compulsory question (5 x 7 = 35 marks).

Course Objectives:-

1. To make students aware of the importance of language.
2. To make students aware of the origin and development of a language.
3. To make students aware of various language families especially Indo European language family.
4. To understand the general introduction to Vedic & Classical Sanskrit and their Literature.
5. To familiarize the students about the contribution of Sanskrit to modern Indian Languages.

Course Outcomes:-

On successful completion of this course, the students will we able to have knowledge regarding:-

1. Origin, Development and Importance of a Language.
2. Indo European and Indo Iranian Language families.
3. Vedic Sanskrit and its Literature.
4. Classic Sanskrit and its Literature.
5. Contribution of Sanskrit to Ancient and Modern Indian Languages.

Unit –I

General introduction to language
भाषा का सामान्य परिचय

i. Importance of language
भाषा का महत्त्व
ii. Origin and development of language
भाषा का उद्भव और विकास
iii. Language families
भाषा परिवार

Unit –II

General introduction to Indo European language family
भारोपीय परिवार का सामान्य परिचय

i. Indo European language family
भारोपीय भाषा परिवार
ii. Indo-Iranian branch
भारत - ईरानी शाखा

Unit –III

General introduction to Vedic and Classical Sanskrit Languages
वैदिक तथा लौकिक संस्कृत का सामान्य परिचय

i. Vedic Sanskrit and its Literature
वैदिक संस्कृत तथा उसका साहित्य
ii. Classical Sanskrit and its literature
लौकिक संस्कृत तथा उसका साहित्य

Unit –IV

General introduction to Pali, Prakrit, Apbhransh and Modern Indian Languages
पालि, प्राकृत, अपभ्रंश तथा आधुनिक भारतीय भाषाओं का सामान्य परिचय

i. Pali, Prakrit and Apbhransh languages
पालि, प्राकृत तथा अपभ्रंश भाषाएं
ii. Modern Indian Languages
आधुनिक भारतीय भाषाएं
iii. Contribution of Sanskrit to Modern Indian Languages
संस्कृत का आधुनिक भारतीय भाषाओं को प्रदाय

Suggested Readings:-

1. भाषा विज्ञान एवं भाषाशास्त्र डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी विश्वविद्यालय प्रकाशनए वाराणसी।
2. भाषाविज्ञानए डॉ0 कर्णसिंहए साहित्य भण्डारए सुभाष बाजारए मेरठ।
3. A manual of Sanskrit phonetics by C. Uhlenbeck.
4. Linguistic Introduction to Sanskrit by B.K. Ghosh.
5. Language, its nature, development and origin, O. Jesperso.

Syllabus for Ability Enhancement Course

Name of Program	Common for all four year UG/Five years integrated Programs	**Program Code**	
Name of the course	संस्कृत भाषा परिचय Introduction to Sanskrit Language	**Course Code**	24SKTX03AE01
Hours/Week	02 hours	**Credits**	02
Max. Marks	50 (35+15)	**Time of end term examination**	03 hours

Note: The examiner has to set a total of nine questions (two from each unit and one compulsory question consisting of short answer from all units. First question will be compulsory consisting of short answer type 07 questions of 01 mark each. The candidate has to attempt one question from each unit alongwith the compulsory question (5 x 7 = 35 marks).

Course Objectives:-

1. To make students aware of Sanskrit sound – Vowels, Consonants etc.
2. To make students aware of points of articulation.
3. To understand the basic principles of conditional phonetic changes.
4. To understand the structure of words and sentences.
5. To familiarize the students about the nominal compounding.

Course Outcomes:-

On successful completion of this course, the students will be able to:-

1. The basic structural knowledge of Sanskrit Language.
2. Develop an interest in Sanskrit.
3. Get motivated to study the Sanskrit.
4. Know the structure of sentences.
5. Know the structure of compounding.

Unit –I

General introduction to Sanskrit Sounds
संस्कृत ध्वनियों का सामान्य परिचय

i. Vowels (Simple Vowels, Complex Vowels)
स्वर(अच्) (शुद्ध स्वर, संयुक्त स्वर)
ii. Consonants (Stops Nasal, Semi Vowels, Sibilants, Anusvara and Visarga)
व्यञ्जन(हल्) (स्पर्श नासिक्य, अन्तस्थ, ऊष्म, अनुस्वार, विसर्ग)
iii. Points of Articulation (Throat, Roof, Palate, Teeth, Lips, Nose)
उच्चारण स्थान (कण्ठ, मूर्धा, तालु, दन्ताः, ओष्ठौ, नासिका)

Unit –II

General introduction to Conditional Phonetic Changes
सन्धि का सामान्य परिचय

i. Phonetic change where vowel is replaced
स्वरसन्धि
ii. Phonetic change where consonant is replaced
व्यञ्जनसन्धि
iii. Phonetic change where visarga is replaced
विसर्गसन्धि

Unit –III

General introduction to the Structure of Sentences
वाक्य संरचना का सामान्य परिचय

i. Sentence
वाक्य
ii. Word (Subanta, Tinanta, Kridanta, Taddhita)
पद (सुबन्त, तिङन्त, कृदन्त, तद्धित)

Unit –IV

General introduction to Nominal Compounding
समास का सामान्य परिचय

i. Avyayeebhava , Tatpurusha
अव्ययीभाव, तत्पुरुष
ii. Dvandva, Bahuvreehi
द्वन्द्व, बहुव्रीहि

Suggested Readings:-

1. Mishra, Dr. Yadunandan, Anuvada Chandrika, Chaukhambha Orientaliya, Delhi, 2021.
2. Apte, Vaman Shivram, students Guide to Sanskrit Composition, The Standard Publishing Company, Girgaon, Bombay, 1925.
3. Tripathi, Dr. Brahmananda, Rupa Chandrika, Chaukhamba Surbharati Prakashan, Varanasi, 2008.
4. Kridanta Rupa Mala – Srijan Jha – App. Available on Google Play Store.
5. Online tools for Sanskrit grammer developed by computational linguistics group, Department of Sanskrit, University of Delhi:http://du.ac.in.